ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

Fragrant Flower For Today

इच्छा नहीं है लेकिन अच्छा लगता है। आप इस सूक्ष्म आसक्ति से भी मुक्त हैं।

आप अनासक्त हो। 😊

There is no desire but it feels good. You are free from even this subtle attachment.

You are detached! 😊

Relationship Management

गलती करने वाले की गलती पर सोचने, परेशान या क्रोधित होने की बजाय तुरंत उस पर मिट्टी डाले और आगे बढ़े।

यही जीवन में निरंतर आगे बढ़ने की कला है।

Om Shanti

आते ही बाबा ने उनको टीचर का पदभार संभलवा दिया

दादी प्रकाशमणि को मैं बचपन से जानती हूँ। सन् 1936 में, सिंध-हैदराबाद में जब ओम् मण्डली की शुरूआत हुई तो एक स्नेहमयी, लगनशील, आज्ञाकारी कुमारी के रूप में उनका पदार्पण हुआ। आते ही उनके हृदय में ईश्वर तथा ईश्वरीय परिवार के प्रति भरपूर प्यार देखा। उनका मन-वचन-कर्म हमेशा विशेषता संपन्न रहा, कभी साधारण चाल-चलन की तो झलक भी नहीं आई। प्यारे बाबा ने भी उनको आते ही टीचर का पदभार संभलवा दिया। छोटे बच्चों की तो वे दिव्य शिक्षिका थीं ही, कुँज भवन में बड़ों के बीच भी टीचर की भूमिका बहुत अच्छी निभाते देखा। बारी-बारी से सबकी भोजन बनाने की सेवा आती थी तो अपनी बारी में वे भोजन भी बहुत अच्छा बनाती थी। जीवन के हर कर्म में चाहे स्थूल हो या सूक्ष्म, उनको सदा कुशल ही देखा। बाबा द्वारा बताए गए नियमों के पालन में तो हमारे सामने सैम्पल बनकर रही। वे सरलता और स्नेह की मूर्त बन मम्मा-बाबा तथा सर्व भाई-बहनों पर अपनापन उड़ेलती रही।

-दादी जानकी जी!

कोई भी देहधारी में संकल्प से वा कर्म से फंसना, इस विकारी देह रूपी सांप को टच करना अर्थात अपनी की हुई अब तक कि कमाई को खत्म करना है। **जैसे योग अग्नि पिछले पापों को भस्म करती है वैसे यह विकारी भोग भोगने की अग्नि पिछले पुण्य को भस्म कर देती है।**

Avyakt Murli - 26-10-75

facebook.com/AvyaktMurliEssence

दादी प्रकाशमणि जी की विशेषतायें

दुआओं के भण्डार की मालिक

दादी जी के पास दुआओं का भण्डार था। वे सदा कहती मुझे तो बाबा की और आप सबकी दुआयें चला रही हैं। दादी जी के पास दुआओं का जैसे भण्डार था। वे सबको समय पर साथ देती, सुख देती, उनके दिल में हर एक के प्रति सहानुभूति थी। उन्होंने अपने संकल्पों को सदा शुद्ध और श्रेष्ठ रखा, इसलिए दुआयें जमा होती रही। अन्तिम समय भी शरीर के हिसाब-किताब को दुआओं के बल से सहज पार कर लिया। उन्हें कभी दुःख-दर्द की महसूसता नहीं हुई। दादी ने अपने कर्मों से, गुणों से, सम्बन्ध से, सच्चाई-सफाई से सबकी दुआयें ले ली। दादी हमेशा कहती मुझे तो बाबा की और आप सबकी दुआयें चला रही हैं। जिसके सिर पर बाबा की दुआओं का हाथ हैं उनका सिर कभी भारी नहीं हो सकता। वे सदा बेफिकर बादशाह रहते हैं।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालयः पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

राजयोग
एक वह
मध्यान्तर
है, जो आपको अपने
वास्तविक अन्तर-जगत
में वापिस लाता है

ब्रह्माकुमारीज्

Honesty does
not mean
simply speaking
your mind.
Honesty means
to see very
clearly what
is going on
inside yourself.

Dadi JANKI

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org